



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 89]  
No. 89]

नई दिल्ली, बुध्दिवार, फरवरी 21, 1985/फाल्गुन 2, 1906  
NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 21, 1985/PHALGUNA 2, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय

(खान विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली 14 फरवरी 1985

का. आ. 154 (अ) — केन्द्रीय सरकार, अल्युमिनियम कारपोरेशन  
आफ इंडिया लिमिटेड (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम  
1984 (1984 का 43) की धारा 30 की उपधारा (2) के खण्ड  
(क) के साथ पठित, उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्—

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षिप्त  
नाम अल्युमिनियम कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (उपक्रमों का अर्जन  
और अंतरण) (किसी सम्पत्ति के बंधक, भार, धारणाधिकार या  
अन्य हित से संबंधित समूचना) नियम, 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त होंगे।

2 परिभाषाएं इन नियमों में जब तक कि सबंध में अन्यथा अपेक्षित  
न हो—

(क) "अधिनियम" से अल्युमिनियम कारपोरेशन आफ इंडिया  
लि. (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम 1984  
(1984 का 43) अभिप्रेत है।

3. समूचना के लिए समय की परिसीमा किसी ऐसी सम्पत्ति का जो  
अधिनियम के अधीन यथास्थिति केन्द्रीय सरकार में या भारत अल्युमिनियम  
कम्पनी में निहित हो गई है, प्रत्येक बंधकदार और किसी ऐसी सम्पत्ति  
में या उनमें संबंध में कोई भार, धारणाधिकार या अन्य हित  
धारण करने वाला प्रत्येक व्यक्ति आयुक्त को ऐसे बंधक, भार, धारणाधि-  
कार या अन्य हित की समूचना ऐसी तारीख में, जो केन्द्रीय सरकार  
द्वारा धारा 17 के अधीन विनिर्दिष्ट की जाए, तीन दिन की अवधि  
में भीतर देगा।

परन्तु यदि आयुक्त का यह समाधान हो जाता है कि बंधकदार  
या कोई भार, धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाला व्यक्ति  
तीन दिन की उक्त अवधि में भीतर समूचना देने में पर्याप्त हेतुओं  
के कारण निवारित हो गया था तो वह ऐसे कारणों को लखबंद करने  
में पणचात् तीन दिन की अनिवार्य अवधि में भीतर समूचना प्रदान  
कर सकेगा, किन्तु उसके पश्चात् नहीं।

4 समूचना की रीति — (1) नियम 3 के अधीन आयुक्त को  
दी जाने वाली प्रत्येक समूचना लिखित में होगी और आयुक्त को संबोधित  
होगी और उसमें निम्नलिखित विषयलिपियां होंगी, अर्थात्—

(क) बंधकदार का या किसी ऐसी सम्पत्ति में या उनमें संबंध  
में भार, धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाले  
व्यक्ति का नाम और पूरा पता,

(ख) ऐसे उपक्रम का नाम जिसके संबंध में दावा किया है,

- (ग) बंधक, भार, धारणाधिकार या अन्य हित के अन्तर्गत शोध्य रकम (भारतीय करों में) ;
- (घ) यदि कोई निश्चय है जिसके द्वारा बंधक, भार, धारणाधिकार या अन्य हित प्रतिभूत किया गया है, तो उसकी विशिष्टियाँ जो निश्चय की अनुप्रमाणित प्रति द्वारा समर्थित होंगी ;
- (ङ) पहले ही में प्राप्त रकम, यदि कोई हो, और उसकी विशिष्टियाँ ;
- (च) दावे से सम्बन्धित कोई अन्य विशिष्टियाँ ;
- (छ) अनुतोष जिसका दावा किया गया है ।

2. प्रत्येक संसूचना अधिकार द्वारा या भार, धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाले व्यक्ति या उसके द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित और तस्मात्प्राप्त की जाएगी ;

3. संसूचनाएं, सभी कार्य दिवसों पर कार्यालय समय के दौरान फ़ैज-1, ब्लॉक-11, 5वीं मंजिल, सी. जी. ओ. कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली स्थित जायकन के कार्यालय में फाइल की जा सकेंगी या रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा आयकन को भेजी जा सकेंगी।

[फ़ा. सं. 12/10/84-म.त.]

बी. पी. सिंह, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL

(Department of Mines)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 14th February, 1985

S.O. 154(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the Aluminium Corporation of India Limited (Acquisition and Transfer of Aluminium Undertaking) Act, 1984 (43 of 1984), read with Clause (a) of sub-section (2) thereof, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Aluminium Corporation of India Limited, (Acquisition and Transfer of Aluminium Undertaking) (intimation regarding Mortgage, Charge, Lien or other Interest in any property) Rules, 1985 :

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires.

(a) "Act" means The Aluminium Corporation of India Limited (Acquisition and Transfer of Aluminium Undertaking) Act, 1984.

3. Time-limit for intimation.—Every Mortgage of any property which has vested under the Act in the Central Government or in the Bharat Aluminium Company Limited, as the case may be, and every person holding any charge, lien or other interest in, or in relation to, any such property shall give intimation of such mortgage, charge, lien or other interest to the Commissioner within a period of thirty days from such date, as may be specified by the Central Government under section 17 of the Act :

Provided that if the Commissioner is satisfied that the mortgagee or the person holding any charge, lien or other interest was prevented by sufficient cause from giving the intimation within the said period of thirty days, he may after recording reasons in writing receive the intimation within a further period of thirty days and not thereafter.

4. Manner of intimation.—(1) Every intimation to be given to the Commissioner under rule 2 shall be in writing addressed to the Commissioner, and shall contain the following particulars, namely:—

- Name and full address of the mortgagee or the person holding charge, lien or other interest in, or in relation to any such property;
- Name of the undertaking in respect of which the claim is made.
- amount due under the mortgage, charge, lien or other interest (in Indian currency);
- particulars of the instrument, if any, by which the mortgage, charge, lien or other interest is secured, supported by an attested copy of the instrument;
- amount, if any, already received, with particulars;
- any other particulars relevant to the claim;
- relief claimed.

(2) Every intimation shall be duly signed and verified by the mortgagee, or the person holding the charge, lien or other interest or by a person duly authorised by him.

(3) Intimation may be filed in the Office of the Commissioner of Payments, Phase I, Block 11, 5th Floor, C.G.O. Complex, Lodhi Road, New Delhi on all working days during office hours or may be sent to the Office of the Commissioner of Payments by registered post, with acknowledgment due.

[File No. 12/10/84-M.t.I]

B. P. SINGH, Jt. Secy.